# LESSON FIVE
## पाठ पाँच

# Alphabet
## (अल्फाबेट)
# अक्षरमाला

वस्तुतः भाषा बोलने और सुनने की चीज है, यानी भाषा का आधार ध्वनि है। भाषा तभी सुनी जाती है जब बोली जाती है और उतनी ही दूर तक सुनी जाती है जहां तक आवाज पहुंचती है। समय और स्थान की इस सीमा को तोड़ने के लिए लिपि और लिखावट का जन्म हुआ। भाषा के विकास के बहुत समय बाद लिपि आई। इस तरह लिपि या लिखावट भाषा-ध्वनियों को रेखाओं में बांधने और प्रकट करने का एक माध्यम है।

हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है और अंग्रेजी रोमन में। हिन्दी शिरोरेखा के साथ लाइन के नीचे और अंग्रेजी ऊपर लिखी जाती है।

अक्षरमाला (वर्णमाला) वर्णों या अक्षरों का एक समूह है। अक्षर विशेष ध्वनि या ध्वनियों को दर्शाता है। हिन्दी में तैंतीस व्यंजन और तेरह स्वर, कुल जमा छियालिस अक्षर हैं। अंग्रेजी में पांच स्वर और इक्कीस व्यंजन, कुल मिलाकर छब्बीस अक्षर (वर्ण) हैं।

अंग्रेजी अक्षरमाला में दो प्रकार के अक्षर हैं–**1. बड़े अक्षर (Capital Letters)** और **2. छोटे अक्षर (Small Letters)**। इनके भी दो वर्ग हैं–

1. बड़े अक्षर **(Capital Letters)**

(a)
छापे और लिखावट
के बड़े अक्षर

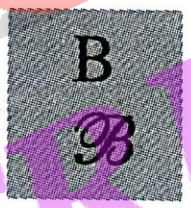


(b)
छापे और लिखावट
के बड़े अक्षर

2. छोटे अक्षर **(Small Letters)**

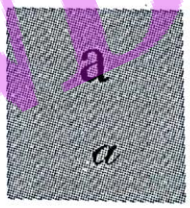


(a)
छापे और लिखावट
के छोटे अक्षर

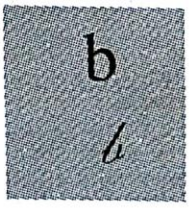


(b)
छापे और लिखावट
के छोटे अक्षर

### 1 (a) छापे और लिखने के बड़े अक्षर

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **A** | **B** | **C** | **D** | **E** | **F** | **G** | **H** | **I** | **J** | **K** | **L** | **M** |
| ए | बी | सी | डी | इ | एफ | जी | एच | आई | जे | के | एल | एम |
| **N** | **O** | **P** | **Q** | **R** | **S** | **T** | **U** | **V** | **W** | **X** | **Y** | **Z** |
| एन | ओ | पी | क्यू | आर | एस | टी | यू | वी | डब्ल्यू | एक्स | वाई | जैड |

TOP 10 TRENDING

(b) लिखावट के बड़े अक्षर

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| *A* | *B* | *C* | *D* | *E* | *F* | *G* | *H* | *I* | *J* | *K* | *L* | *M* |
| ए | बी | सी | डी | इ | एफ | जी | एच | आई | जे | के | एल | एम |
| *N* | *O* | *P* | *Q* | *R* | *S* | *T* | *U* | *V* | *W* | *X* | *Y* | *Z* |
| एन | ओ | पी | क्यू | आर | एस | टी | यू | वी | डब्ल्यू | एक्स | वाई | जैड |

2 (a) छापे के छोटे अक्षर

a b c d e f g h i j k l m n o p q r s t u v w x y z

(b) लिखने के छोटे अक्षर

*a b c d e f g h i j k l m n o p q r s t u v w x y z*

(i) अंग्रेजी के निम्नलिखित चौदह अक्षर चार समांतर रेखाओं के मध्य दो में लिखे जाते हैं–

*a, c, e, i, m, n, o, r, s, u, v, w, x, z*

(ii) ऊपर की तीन रेखाओं में लिखे जाने वाले छह अक्षर हैं–

*b, d, h, k, l, t*

(iii) चारों रेखाओं में लिखा जाने वाला एकमात्र अक्षर है–

*f*

(iv) नीचे की तीन लाइनों में लिखे जाने वाले पाँच अक्षर हैं–

*g j p q y*

(v) Capital Letters चाहे छापे के हों या लिखावट के, हमेशा ऊपर की तीन रेखाओं में लिखे जाते हैं–

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **A** | **B** | **C** | **D** | **E** | **F** | **G** | **H** | **I** | **J** | **K** | **L** | **M** |
| **N** | **O** | **P** | **Q** | **R** | **S** | **T** | **U** | **V** | **W** | **X** | **Y** | **Z** |

लिखावट और छापे के अक्षरों में वस्तुतः कोई खास फर्क नहीं है। लिखते समय प्रवाह, गति और घसीट के कारण छापे के बड़े अक्षर परस्पर सूत्र की तरह मिलकर ऐसा स्वरूप ले लेते हैं। इसे शीघ्रता और सुगमता से लिखा जा सकता है। कलम को बार-बार उठाना नहीं पड़ता।

इस तरह छापे और लिखावट के Capital Letters में कोई विशेष अंतर नहीं है। छापे के बड़े अक्षरों की रेखाओं के अंत को एक कलात्मक घुमाव और गोलाई प्रदान कर दी जाती है। इससे अक्षर देखने में आकर्षक, सुघड़, सुंदर और कलात्मक हो जाते हैं।

सच तो यह है कि सभी तरह के अंग्रेजी अक्षर रोमन 'कैपिटल अक्षरों' के विकसित रूप और कलम की करामात हैं। ये प्राचीन रोमन अक्षरों के गति से लिखे जाने के परिणामस्वरूप प्राप्त परिष्कृत रूपों से अधिक कुछ नहीं हैं।

## Calligraphy (कैलिग्राफी) सुलेखन

सुंदर लिखाई में बड़ा आकर्षण होता है। सुलेख को देखकर पढ़ने वाले का मन प्रसन्न हो जाता है और वह प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। सुलेखन लेखक के व्यक्तित्व की सुंदरता में वृद्धि करता है। सुंदर लिखाई के लिए अक्षरों

की बनावट और बनाने के ढंग पर ध्यान देते हुए अभ्यास करना चाहिए। **अभ्यास चार लाइनों वाली पुस्तिका में करना चाहिए।** कुछ समय पश्चात् इसकी आवश्यकता नहीं रहेगी और आप बिना लाइनों के भी सुगमता से सुंदर लिख पाएंगे।

सुलेखन कला तो है ही, अपने आप में एक इनाम (Reward) भी है। लेखन सही होने के साथ-साथ रूप और आकार में आकर्षक होना चाहिए। पठनीयता में हाथ की सफाई और नजाकत सोने में सुहागा जैसी चीज है। वर्ण-शिल्प (Letter Craft) अच्छा ही नहीं, आवश्यक है, लेकिन यह इतना कठिन नहीं है जितना समझा जाता है। थोड़े से कष्ट और 'पेनमेनशिप' (Penmanship) से यह सहज संभव है।

प्रारंभ में लिखने का अभ्यास समतल टेबल के बजाय ढालू (Slopy) डेस्क पर किया जाए तो अच्छा रहे। यह ढलान 40° की हो सकती है। अपने हाथ के अंगूठे और तर्जनी का छल्ला-सा बनाते हुए निब के थोड़ा ऊपर से कलम का होल्डर धीरे से थाम लीजिए और उसे नीचे से मध्यमा का सहारा देते हुए अनामिका और कनिष्ठिका को अंदर की ओर मोड़ लीजिए। याद रखिए कलम को गलत ढंग से पकड़ने पर वर्णों के सही रूप नहीं उभर सकते। निब को कम से कम दबाव के साथ फिसलने दें। कलम हलके हाथ से पकड़ते हुए महीन, सुंदर, पतले क्षैतिज (Horizontal) तथा स्वच्छ, मोटे खड़े (Vertical) स्ट्रोक्स (Strokes) का प्रयोग करें। पहले वर्णों को अलग-अलग लिखें और फिर मिलाकर अभ्यास करें। लिखने के उपरांत इसका ध्यानपूर्वक निरीक्षण करें। हां, हो सके तो 'मैगनिफाइंग लेन्स' (Magnifying Lens) से। इससे वर्णों में परस्पर उचित अनुपात, समरूपता (Evenness) आदि होने और सही-गलत बनावट का सरलता से पता लग जाएगा। वक्र और गोलाई वाले अक्षरों को तनिक पास-पास और खड़े रेखीय अक्षरों को परस्पर उचित दूरी पर लिखिए। प्रतिदिन एक पृष्ठ नियमित रूप से लिखें। बॉलपेन का प्रयोग न करें।

## Points to Remember स्मरण संकेत

1. अंग्रेजी में Capital और Small दो तरह के अक्षर होते हैं।
2. f चारों लाइनों में, b, d, h, k, l, t ऊपर की तीन लाइनों में और g, j, p, q, y नीचे की तीन लाइनों में लिखे जाते हैं, शेष सभी वर्ण बीच की दो लाइनों को छूते हैं।
3. Capital Letters छापे और सजावट दोनों तरह के ऊपर की तीन लाइनों में लिखे जाते हैं।
4. सुलेखन एक कला है। यह आवश्यक भी है। इसके लिए निम्न बातें ध्यान में रखें–
   (a) अच्छे निब वाले पेन से चार लाइनों वाली पुस्तिका में नियमित अभ्यास करें। (b) लिखने के बाद निरीक्षण अवश्य करें। (c) कलम हलके हाथ से पकड़ें और निब पर दबाव न डालें। उसे सरलता से फिसलने दें। (d) गोल और घुमावदार अक्षरों और खड़े रेखीय अक्षरों में परस्पर अनुपात, समरूपता और दूरी का ध्यान रखें। (e) बॉलपेन से न लिखें।

## Exercise for Revision अभ्यास करने योग्य

1. छापे और सजावट Capital Letters लिखने का अच्छी तरह अभ्यास कीजिए।
2. वर्णों के उच्चारण जबानी याद कीजिए।
3. लिखने के छोटे वर्णों को पहले अलग-अलग (a b c d e f) और फिर मिलाकर (abcdef) कम से कम दस बार लिखिए।
4. निम्नलिखित शब्दों की नकल सुन्दरता से कई बार कीजिए– Matters, Temper, Remember, Hungry, Friends, Hunting, Nothing, Between (मिलाकर लिखे जाने वाले वर्णों का अभ्यास करते समय पेन को बराबर चलने दें, कहीं कहीं हल्की-सी उठानी पड़े तभी उठाएं और पुनः आगे की अक्षरों को लिखते जाएं)।

TOP 10 TRENDING